माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 बोर्ड द्वारा प्रस्तावित
2024-25 परीक्षा हेतु प्रश्न-पत्र
सामाजिक विज्ञान
कक्षा : 10
मॉडल पेपर - 3

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

नोट: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र के **दो** खण्ड, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड –ब** हैं।

(iii) **खण्ड – अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर देने हैं।

(iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें।

(v) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

(vi) **खण्ड – ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं। इस खण्ड में वर्णनात्मक-I, वर्णनात्मक-II तथा मानचित्र सम्बन्धी दो प्रश्न हैं।

(vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।

(viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

(ix) दिए गए मानचित्रों को उत्तर-पुस्तिका के साथ मजबूती से संलग्न करना आवश्यक है।

(x) दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर अलग से प्रश्न 9(A) तथा 9(B) लिखने के लिए दिए गये हैं।

खण्ड-अ
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

निर्देश: नीचे दिए गए प्रश्नों के प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प दिए गए हैं। सही विकल्प चुनकर उत्तर **OMR** उत्तर पत्रक पर चिह्नित करें:

1. फ्रांस की क्रान्ति कब प्रारंभ हुई? **1**

(a) 1779 (b) 1789
(c) 1780 (d) 1799

2. निम्नलिखित में से किसे 1871 में जर्मनी का प्रथम सम्राट घोषित किया गया? **1**

(a) कैसर विलियम प्रथम (b) विलियम द्वितीय
(c) फ्रेडरिक विल्हेम प्रथम (d) आटो वान बिस्मार्क

3. जलियाँवाला बाग की घटना कब हुई? **1**

(a) 8 अप्रैल, 1919 (b) 10 अप्रैल, 1919
(c) 13 अप्रैल, 1919 (d) 25 अप्रैल, 1919

4. ब्रिटेन में 'कार्न कानून' समाप्त करने का क्या कारण था? **1**

(a) जनसंख्या में वृद्धि
(b) कृषि उत्पादों में अधिकता
(c) कार्न आयात पर नियंत्रण
(d) उद्योगपतियों एवं शहरी लोगों का विरोध

5. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की स्थापना कब हुई थी? **1**

(a) 1940 (b) 1942
(c) 1945 (d) 1944

6. निम्नलिखित में से कौन-सा विषय संघ सूची में है : **1**

(a) प्रतिरक्षा (b) कृषि
(c) शिक्षा (d) व्यापार

7. संघीय शासन प्रणाली में शक्तियों का विभाजन होता है: **1**

(a) केन्द्र एवं राज्यों (इकाइयों) के मध्य
(b) एक राज्य एवं अन्य राज्यों के मध्य
(c) विधायिका एवं कार्यपालिका के मध्य
(d) विधायिका एवं न्यायपालिका के मध्य

8. निम्नलिखित देशों में कहाँ संघात्मक शासन नहीं है? **1**

(a) भारत (b) बेल्जियम
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका (d) श्रीलंका

9. भारत में पंचायती राज की स्थापना कब हुई थी? **1**

(a) 1980 (b) 1990
(c) 1992 (d) 2004

10. निम्नलिखित में से कौन-सा लोकतंत्र से सम्बन्धित है? **1**

(a) पारदर्शी शासन (b) वैध शासन
(c) उत्तरदायी शासन (d) इनमें से सभी

11. लौह अयस्क किस प्रकार का संसाधन है? **1**

(a) नवीकरण योग्य (b) प्रवाह
(c) जैव (d) अनवीकरण योग्य

12. निम्नलिखित में से कौन-सी रबी फसल है? **1**

(a) चावल (b) मोटे अनाज
(c) चना (d) कपास

13. निम्नलिखित में से कौन-सी एक फलीदार फसल है? 1
(a) दालें (b) मोटे अनाज
(c) ज्वार (d) चावल

14. निम्नलिखित में से कौन-सा उद्योग चूना-पत्थर को कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त करता है? 1
(a) प्लास्टिक (b) मोटर गाड़ी
(c) सीमेंट (d) एल्यूमिनियम

15. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द दो या अधिक देशों के व्यापार को दर्शाता है? 1
(a) आंतरिक व्यापार
(b) बाहरी व्यापार
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
(d) स्थानीय व्यापार

16. निम्नलिखित में से कौन-सा खनिज धात्विक है? 1
(a) अभ्रक (b) कोयला
(c) लौह अयस्क (d) चूना/पत्थर

17. निम्नलिखित पड़ोसी देशों में से मानव विकास के लिहाज से किस देश की स्थिति भारत से बेहतर है? 1
(a) बांग्लादेश (b) श्री लंका
(c) नेपाल (d) पाकिस्तान

18. एन्थ्रासाइट का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस खनिज से है? 1
(a) लौह अयस्क (b) बाक्साइट
(c) कोयला (d) सोना

19. स्वयं-सहायता समूहों में बचत और ऋण संबंधी अधिकतर निर्णय लिए जाते हैं : 1
(a) बैंक द्वारा
(b) सदस्यों द्वारा
(c) गैर-सरकारी संस्था द्वारा
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों का वर्गीकरण निम्नलिखित में से किस आधार पर निर्धारित किया जाता है? 1
(a) रोजगार की शर्तें
(b) आर्थिक गति की प्रकृति
(c) उद्यमों के स्वामित्व
(d) उद्यम में नियोजित श्रमिकों की संख्या

खण्ड- ब

(वर्णनात्मक - I)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में दीजिए।)

1. ऑटो वॉन बिस्मार्क को जर्मनी के एकीकरण का जनक क्यों कहा जाता है? दो कारण लिखिए। 2+2

अथवा

उन्नीसवीं शताब्दी के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्रियों द्वारा बताए गए किन्हीं दो प्रवाहों को स्पष्ट कीजिए। 2+2

2. किस प्रकार से लैंगिक भिन्नता ने राजनीति को प्रभावित किया? संक्षेप में लिखिए। 4

अथवा

भारत में केन्द्र और राज्यों के बीच सत्ता के बँटवारे की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 2+2

3. प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के कारण संसाधनों का अधिक उपयोग कैसे हुआ है? 4

अथवा

अभ्रक की उपयोगिता बताइए एवं भारत में इसके किन्हीं दो उत्पादक राज्यों का भी उल्लेख कीजिए। 2+2

4. झूम कृषि की विशेषताओं की विवेचना कीजिए। 4

अथवा

विदेशी व्यापार से आप क्या समझते हैं? विदेशी व्यापार को अनुकूल बनाने के लिए कोई दो सुझाव दीजिए। 2+2

(वर्णनात्मक - II)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में दीजिए।)

5. जर्मन के एकीकरण की प्रक्रिया के बारे में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 6

अथवा

असहयोग आन्दोलन कब चलाया गया? इस आन्दोलन के किन्हीं दो कारणों की विवेचना कीजिए। 2+4

6. ''भारतीय संघ एक अर्द्ध-संघीय ढाँचा है।'' इसकी पुष्टि में किन्हीं दो कारकों का उल्लेख करें। 3+3

अथवा

भारत में महिलाओं के प्रति भेदभाव के तरीकों का वर्णन कीजिये। 6

7. भारत में वन्य जीव संरक्षण के उपाय सुझाइए। 6

अथवा

भू-क्षरण से आप क्या समझते हैं? इसे रोकने के लिए कोई चार उपाय बताइए। 2+4

8. विकास की अवधारणा क्या है? सामान्यतया इसमें किन घटकों को सम्मिलित किया जाता है? 2+4

अथवा

असंगठित क्षेत्रक के श्रमिकों की समस्याओं की विवेचना कीजिए। 6

(मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न)

निर्देश: प्रश्न संख्या 9 (A) तथा 9 (B) मानचित्र से संबंधित हैं।

9(A). निम्नलिखित स्थानों को भारत के दिये गये रेखा मानचित्र में ⊙ चिह्न द्वारा नाम सहित दर्शाइए। सही नाम तथा सही अंकन के लिए $\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$ अंक निर्धारित हैं:

(i) वह स्थान जहाँ पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव पारित हुआ था। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(ii) वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iii) वह स्थान जहाँ 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iv) वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी का किसान सत्याग्रह आन्दोलन हुआ। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(v) वह स्थान जहाँ सर्वप्रथम नमक बनाया गया था। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

9 (B). निर्देशः दिये गये भारत के मानचित्र में निम्नलिखित को दर्शाइए :

(i) भारत के किसी एक परमाणु ऊर्जा केन्द्र का नाम SSS चिह्न सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(ii) नर्मदा नदी पर बना एक बाँध ☰ चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iii) सलाल बाँध □ चिह्न द्वारा राज्य के नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iv) भारत के किसी एक जूट उत्पादक राज्य ⧠ चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(v) राजस्थान का राजधानी नगर ⊙ चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिये मानचित्र कार्य के विकल्प के रूप में)

9 (A). निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव किस स्थान पर पारित हुआ था? **1**

(ii) महात्मा गाँधी ने नमक कानून किस स्थान पर तोड़ा था? **1**

(iii) 1920 में काँग्रेस का अधिवेशन किस स्थान पर हुआ था? **1**

(iv) महात्मा गाँधी का किसान सत्याग्रह आन्दोलन कहाँ हुआ था? **1**

(v) किस स्थान पर सर्वप्रथम नमक बनाया गया? **1**

9 (B). निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) भारत के किसी एक परमाणु ऊर्जा केन्द्र का नाम लिखिए। **1**

(ii) नर्मदा नदी पर बने बाँध का नाम लिखिए। **1**

(iii) उस राज्य का नाम लिखिए जहाँ सलाल बाँध स्थित है। **1**

(iv) भारत के एक जूट उत्पादक राज्य का नाम लिखिए। **1**

(v) राजस्थान के राजधानी नगर का नाम लिखिए। **1**

प्रश्न-पत्र हल
खण्ड अ
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. (b) :
2. (a) :
3. (c) :
4. (d) :
5. (d) :
6. (a) :
7. (a) :
8. (d) :
9. (c) :
10. (d) :
11. (d) :
12. (c) :
13. (a) :
14. (c) :
15. (c) :
16. (c) :
17. (b) :
18. (c) :
19. (b) :
20. (c) :

खण्ड- ब
(वर्णनात्मक - I)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में दीजिए।)

1. **जर्मनी के एकीकरण–** ऑटो वॉन बिस्मार्क ने वर्ष 1871 में जर्मनी के राज्यों का एकीकरण किया था। एकीकरण से पहले जर्मनी 300 छोटे-बड़े राज्यों में बिखरा हुआ था।

जर्मनी के एकीकरण के बाद बिस्मार्क ने युद्ध अथवा आक्रमण करने की नीति को त्यागकर जर्मनी को संगठित कर एक शक्तिशाली राज्य बनाने का प्रयास किया।

ऑटो वॉन बिस्मार्क को जर्मनी के एकीकरण का जनक कहे जाने के दो कारण इस प्रकार हैं-

1. बिस्मार्क ने जर्मनी के एकीकरण के लिए रक्त एवं लौह की नीति अपनाकर निरन्तर कार्य किया।

2. बिस्मार्क ने न केवल जर्मनी बल्कि सम्पूर्ण यूरोप में शांति स्थापना करने का प्रयास किया।

अथवा

19वीं शताब्दी के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अर्थशास्त्र के दो प्रवाह थे-मार्क्स का मार्क्सवाद और लैसेज फेयर का पूँजीवाद। मार्क्सवाद ने वस्तुओं के उत्पादन एवं वितरण पर लोगों के समान अधिकारों का समर्थन किया, अर्थात् मार्क्स ने तत्कालीन समाज में व्याप्त पूँजीवाद का विरोध किया। उन्होंने श्रमिकों के शोषण के विरुद्ध आवाज उठाई और एक समतामूलक समाज की स्थापना की वकालत की।

लैसेज फेयर ने मार्क्सवाद के विपरीत औद्योगिकीकरण और पूँजीवाद की वकालत की।

पूँजीवाद एक ऐसी विचारधारा है जिसमें वस्तुओं के उत्पादन और वितरण की शक्तियों पर पूँजीपतियों का अधिकार होता है। इस व्यवस्था में श्रमिक वर्ग का शोषण होता है।

2. किसी समाज के सदस्यों के बीच आर्थिक, सामाजिक व राजनैतिक आधार पर भेदभाव की विचारधारा को लैंगिक भिन्नता कहा जाता है।

लैंगिक भिन्नता ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी, नीति-निर्माण और कानून निर्माण के आधार पर प्रभावित किया।

भारत जैसे पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं को चुनाव लड़कर संसद सदस्य के रूप में नेता के तौर पर महिलाओं की भागीदारी कम है। हालांकि पंचायत स्तर पर चुनाव की प्रक्रिया में महिलाओं को आरक्षण प्राप्त है। लेकिन लैंगिक भिन्नता के कारण महिला ग्राम प्रधान के नाम पर उसका पति काम करता है।

महिलाओं के कल्याण, और उनकी सुरक्षा से संबंधित नीतियों और योजनाओं के निर्माण में सरकारों की उदासीनता, लैंगिक भिन्नता के कारण ही देखने को मिलती है। हालांकि अब सरकारें महिलाओं के सशक्तिकरण की ओर ध्यान दे रही हैं जैसे-बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की शुरुआत, जन धन खाता, की शुरुआत और हाल ही में लोकसभा एवं राज्य की विधानसभाओं के चुनाव में महिलाओं के आरक्षण से संबंधित कानून का बनाया जाना।

अथवा

भारतीय संविधान में केन्द्र एवं राज्यों के बीच सत्ता के बंटवारे का प्रावधान किया गया है। केन्द्र में राष्ट्रपति, लोकसभा और राज्यसभा मिलकर संसद का गठन करते हैं वहीं राज्य में राज्यपाल, विधानपरिषद और विधानसभा मिलकर राज्य के विधानमण्डल का गठन करते हैं।

केन्द्र एवं राज्य के बीच सत्ता के बंटवारे की विशेषताएँ-

(1) केन्द्र एवं राज्य में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने के बावजूद भी शासन का संचालन होता रहता है।

(2) राज्य सरकारें अपने राज्य विशेष के लोगों के कल्याण के लिए अलग से नीतियाँ बना सकती हैं, साथ ही राज्य सूची के विषय पर कानून भी बना सकती हैं।

3. हमारे पर्यावरण में उपलब्ध वस्तुओं की रूपांतरण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी और संस्थाओं के पारस्परिक क्रियात्मक संबंध निहित है। मानव प्रौद्योगिकी द्वारा प्रकृति के साथ क्रिया करते हैं और अपने आर्थिक विकास की गति को तेज करने के लिये संस्थाओं का निर्माण करते हैं। प्रौद्योगिकी के विकास के कारण संसाधनों का दोहन भारी पैमाने पर संभव हुआ, तथा आर्थिक विकास के लिए अधिक से अधिक संसाधनों की आवश्यकता है। मनुष्य प्रौद्योगिकी के माध्यम से प्रकृति के साथ अन्तःक्रिया करता है, और अपने आर्थिक विकास को गति देता है। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास करता है, वैसे ही संसाधनों की अधिक उपयोग होता है। अतः हम कह सकते हैं कि आज प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के कारण संसाधनों का अधिक उपयोग हुआ है।

अथवा

अभ्रक एक ऐसा खनिज है, जो प्लेटों अथवा पत्रण क्रम में पाया जाता है।

अभ्रक का उपयोग मेकअप और विभिन्न सौंदर्य प्रसाधनों में महत्त्वपूर्ण सामाग्रियों में से एक है। अभ्रक का मुख्य उपयोग विद्युत उद्योग में होता है। इसकी सर्वोच्च परावैद्युत शक्ति, ऊर्जा ह्रास का निम्न गुणांक, बिंसवाहन के गुण और उच्च वोल्टेज की प्रतिरोधिता के कारण अभ्रक विद्युत व इलेक्ट्रानिक उद्योगों में प्रयुक्त होने वाले अपरिहार्य खनिजों में से एक है।

आंध्र प्रदेश→ नेल्लोर जिले की अभ्रक पेटिका दूर तथा संगम के मध्य में स्थित है। इस पेटिका में अनेक स्थानों पर अभ्रक का खनन होता है। अभ्रक उत्पादन में आंध्र प्रदेश का प्रथम स्थान है।

राजस्थान→ राजस्थान का अभ्रक उत्पादन में द्वितीय स्थान है। राजस्थान की अभ्रकमय पेटिका जयपुर से उदयपुर तक फैली है।

4. झूम कृषि एक प्रकार की आदिम कृषि है, जिसमें पेड़ों को काटकर व उन्हें जलाकर वहाँ खेती की जाती है तथा जब भूमि की उर्वरता समाप्त हो जाती है, तो उस जमीन को छोड़कर दूसरी जगह पर इसी प्रक्रिया से खेती की जाती है। इस प्रकार एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमकर खेती करने के कारण इसे 'झूम कृषि' या 'स्लैश एंड बर्न' कृषि कहा जाता है। इस कृषि को वियतनाम में 'रे', मेडागास्कर में 'तावी', मेक्सिको में 'कोमील', वेनेजुएला में 'कोनुको' तथा ब्राजील में 'रोका' के नाम से जाना जाता है।

अथवा

विदेशी व्यापार से तात्पर्य, ऐसे व्यापार से है, जिसमें अपने क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं को किसी दूसरे क्षेत्र/विदेश में बेच दिया जाता है तथा वहाँ की वस्तुओं और सेवाओं को अपने क्षेत्र में आयात किया जाता है, जो देश माल भेजता है, उसे निर्यातक तथा जो देश में माल आयात करता है, उसे आयातक देश कहा जाता है। विदेशी व्यापार को सुगम बनाने के लिए सुझाव इस प्रकार हैं-

1. वस्तुओं की गुणवत्ता-विदेशी व्यापार को अनुकूल बनाने के सबसे मजबूत पहलू यह होता है कि वह वस्तु कितनी शुद्ध है, जो वस्तु जितनी शुद्ध होती है उसकी उतनी ही अधिक माँग होती है। अतः स्पष्ट है कि विदेशी व्यापार को अनुकूल बनाने के लिए वस्तु की शुद्धता/गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

2. सीमा शुल्क को कम करना-एक देश में उत्पादित वस्तुओं को दूसरे देश की बाजारों में बेचने के लिए दोनों देशों की सीमा के मध्य आयात निर्यात के बीच लगने वाले शुल्क को कम-से-कम रखना चाहिए। इस प्रकार से अन्तर्राज्यीय देशों के बीच व्यापार सुगमता से हो पायेगा।

(वर्णनात्मक - II)

5. **एकीकरण की प्रक्रिया–** संघीय ढाँचे के साथ प्रशिया के प्रभुत्व वाले जर्मन साम्राज्य में जर्मनी के एकीकरण की घोषणा 18 जनवरी, 1871 को फ्रांस के वर्सेल्स पैलेस के हॉल ऑफ मिरर्स में की गई थी। 1848 के बाद यूरोप में राष्ट्रवाद का जनतंत्र और क्रांति से अलगाव होने लगा था। वर्ष 1848 में जर्मन महासंघ के इलाकों को जोड़कर एक निर्वाचित संसद द्वारा शासित राष्ट्र राज्य बनाने का प्रयास किया था। मगर राष्ट्र निर्माण की यह उदारवादी पहल राजशाही और फौज़ की ताकत ने मिलकर दबा दी। इसमें बड़े भू-स्वामियों ने भी समर्थन किया था। उसके बाद प्रशा का नेतृत्व उसके मंत्री ऑटोवॉन बिस्मार्क ने संभाला, जिसने प्रशा की सेना और नौकरशाही की मदद से ऑस्ट्रिया से मिली अपमानजनक हार

का बदला लेने के लिए ऑस्ट्रिया और उसके सहयोगियों पर भारी प्रहार किया। फलस्वरूप सात वर्ष के दौरान ऑस्ट्रिया, डेनमार्क और फ्रांस से तीन युद्धों में प्रशा की जीत हुई और एकीकरण की प्रक्रिया पूरी हुई।

अथवा

असहयोग आन्दोलन– वर्ष 1920 में लाला लाजपत राय की अध्यक्षता में हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में महात्मा गाँधी के नेतृत्व में असहयोग आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया था। इस आंदोलन के प्रमुख कारणों में जलियावाला बाग हत्याकांड था, जिसने अंग्रेजों को एक 'खतरे' के रूप में तथा रौलेट एक्ट (8 मार्च 1919) के कारण उपजा असंतोष था, इस एक्ट ने राजद्रोह के मुकदमों में राजनीतिक कैदियों के अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था। इस आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों द्वारा शिक्षण संस्थाओं का बहिष्कार, वकीलों द्वारा न्यायालयों का बहिष्कार और महात्मा गाँधी द्वारा अपनी 'कैसर-ए-हिंद' की उपाधि का बहिष्कार किया गया था।

असहयोग आंदोलन के दो कारण निम्नलिखित है-

1. **सरकार के क्रूरतापूर्ण कार्य-** रॉलेट एक्ट, पंजाब में मार्शल लॉ लागू करने और जलियांवाला बाग हत्याकांड ने विदेशी शासन के क्रूर और असभ्य चेहरे को उजागर काने का कार्य किया।
2. **असंतुष्ट भारतीय-** द्वैध शासन की अपनी कुविचारित योजना के साथ मोंटेग्यू – चेम्सकोर्ड सुधार भारतीयों की स्वशासन की बढ़ती मांग को पूरा करने में विफल रहे।

6. सतपाल बनाम पंजाब राज्य एवं अन्य (1969) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने भारतीय संविधान को 'संघीय या एकात्मक' की तुलना में अर्द्ध-संघीय माना है।

कारक-(1) एकल संविधान-भारत में केवल एक ही संविधान को अंगीकार किया गया है। यह समग्र रूप से संघ और राज्यों, दोनों में यह लागू होता है, जबकि एक 'वास्तविक संघ' में संघ और राज्यों के लिए के लिए अलग-अलग संविधान होते हैं।

(2) शक्ति का विभाजन-किसी वास्तविक संघ में दो सरकारों के बीच शक्ति समान रूप से विभाजित होती है। लेकिन भारत में, केन्द्र सरकार को राज्य सरकारों की तुलना में अधिक शक्तियाँ दी गयी हैं और उन्हें अधिक मजबूत बनाया गया है (अनुसूची 7) की संघ सूची में राज्य सूची की तुलना में अधिक और महत्त्वपूर्ण विषय रखे गये हैं।

(3) एकल नागरिकता-भारत में संघ और राज्यों के लिए अलग-अलग नागरिकता नहीं प्रदान की गयी है।

- सभी भारतीय नागरिक देश के नागरिक हैं। यह संयुक्त राज्य अमेरिका से विपरीत है, जहाँ दोहरी नागरिकता का प्रबंध है। एक संघीय और दूसरा, राज्य की नागरिकता ।

अथवा

भारत में महिलाओं के प्रति भेदभाव–भारत में स्त्रियों के साथ अभी भी जीवन के निम्नलिखित पहलुओं से भेदभाव होते हैं-

(i) शिक्षा के क्षेत्र में भेदभाव-आज भी भारत के कई ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ लड़कियों को शिक्षा के लिए नहीं भेजा जाता है। यदि भेजा भी जाता है तो मात्र औपचारिकता पूरी करने के लिए। देश में स्त्री साक्षरता आज भी कम है, यद्यपि विद्यालयी परीक्षाओं के परिणामों में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से अच्छा रहता है लेकिन आगे की पढ़ाई के लिए दरवाजे बंद हो जाते हैं क्योंकि उनके माता-पिता अपने संसाधनों को लड़के-लड़की दोनों पर खर्च करने के स्थान पर लड़कों पर अधिक खर्च करना पसंद करते हैं।

(ii) उच्च पदों पर स्त्रियों की कम संख्या-आज भी भारत में उच्च वेतन एवं उच्च पदों पर कार्य करने वाली स्त्रियों की संख्या सीमित है।

(iii) समान कार्य के लिए समान मजदूरी नहीं-हमारे देश के समान काम के लिए समान मजदूरी से सम्बन्धित अधिनियम में कहा गया है कि सभी को समान वेतन दिया जाए परन्तु स्त्रियों को पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है।

(iv) स्त्रियों का उत्पीड़न और शोषण-शहरी क्षेत्रों में स्त्रियों विशेष रूप से असुरक्षित हैं। वे अपने घरों में भी सुरक्षित नहीं है क्योंकि उन्हें घरेलू हिंसा को भी सहन करना पड़ता है।

7. **भारत में वन्य जीव संरक्षण–** भारत में पारिस्थितिकी व भौगोलिक दशाओं में विविधता के कारण यहाँ अनेक प्रकार के जीव-जंतु पाये जाते हैं। संपूर्ण विश्व में कुल 15000000 जीव प्रजातियों में से 81000 प्रजातियों भारत में पायी जाती है। मानवीय गतिविधियों के कारण पिछले कुछ वर्षों से अनेक जीव जंतुओं की संख्या से लुप्त होती जा रही हैं। देश में संकटग्रस्त जीव-प्रजातियों में लगातार वृद्धि के कारण वन्यजीव व्यवस्था और संरक्षण के लिए काफी उपाय किए गए हैं-

(1) प्रजातियों के नियंत्रित एवं सीमित उपयोग के लिए प्राकृतिक आवासों का संरक्षण करना।

(2) संरक्षित क्षेत्रों में (राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व आदि) पर्याप्त संख्या में प्रजातियों का रख रखाव करना।

(3) वनस्पतियों और जीव प्रजातियों के लिए बायोस्फीयर रिजर्व की स्थापना करना।

(4) निकायों व न्यायाधिकरणों का सशक्तिकरण- विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण संबंधी नियमों की अनदेखी का एक बड़ा कारण संबंधित निकायों की निष्क्रियता भी है। इसके साथ ही पर्यावरण से संबंधित न्यायाधिकरणों में बड़ी संख्या में रिक्तियाँ इन संस्थानों की सार्थकता को कमजोर करती हैं, ऐसे में पर्यावरण क्षेत्र में सकारात्मक परिणामों के लिए महत्त्वपूर्ण संस्थानों का सशक्तिकरण करना बहुत ही आवश्यक है।

अथवा

भू-क्षरण– भू-क्षरण या मृदा अपरदन का अर्थ है, मृदा कणों का बाह्य कारकों जैसे-वायु, जल या गुरुत्वीय खिंचाव द्वारा पृथक होकर बह जाना। वायु द्वारा भू-क्षरण मुख्यतः रेगिस्तानी क्षेत्रों में होता है, जहाँ वर्षा की कमी तथा हवा की गति अधिक होती है, परन्तु जल तथा गुरुत्वीय बल द्वारा भू-क्षरण पर्वतीय क्षेत्रों में अधिक होता है। भू-क्षरण मानवीय गतिविधियों के कारण भी होता है, जिनमें वनों की कटाई, अतिचराई आदि मुख्य कारक है। भू-क्षरण को रोकने के लिए कुछ सामान्य तरीकें इस प्रकार हैं-

वनस्पति-यह पौधों द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक जमीनी आवरण है, इस उपाय के कारण पौधों की जड़े मिट्टी को पकड़ लेती है और मृदा क्षरण को रोकती है।

मिट्टी की चटाई बनाना-छोटे पौधों की वृद्धि के लिए मिट्टी के ऊपर कंबल की तरह सुरक्षा कवच लगाने से भी मृदा अपरदन को रोकने में मदद करती है।

मल्च का अनुप्रयोग-यह मिट्टी की सतह पर लागू सामग्री की एक परत है, जो मिट्टी की गुणवत्ता और धारण क्षमता को बेहतर बनाती है।

विंडब्रेकर का निर्माण-यह तेज हवा के कारण होने वाले मृदा क्षरण को रोकता है।

8. **विकास की अवधारणा–** विकास एक गतिशील और परिवर्तनशील अवधारणा है, जो समाज में आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिवर्तन के लिए परिवर्तनशील है। इसमें विकास के कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है। विकास जीवन के हर पहलू में शामिल है, जैसे-आर्थिक विकास, सामाजिक विकास, मानव विकास आदि।

(1) आर्थिक विकास-आर्थिक विकास को समाज के भौतिक कल्याण में वृद्धि के रूप में परिभाषित किया जाता है।

सामाजिक विकास-सामाजिक विकास का तात्पर्य समाज के प्रतीक व्यक्ति की भलाई में सुधार करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँच सकें।

मानव विकास-मानव विकास को लोगों की स्वतंत्रता और अवसरों को बढ़ाने और उनकी भलाई में सुधार करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जाता है।

सांस्कृतिक विकास- इस प्रक्रिया के अन्तर्गत मानव साहित्यिक, कलात्मक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक अनुभव प्राप्त करता हुआ अपने समुदाय का सभ्य एवं सुसंस्कृत नागरिक बनता है।

अथवा

असंगठित श्रमिक- असंगठित श्रमिक वे श्रमिक है जिनका समाज द्वारा आसानी से शोषण किया जा सकता है। असंगठित क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति भारत में श्रमिकों को एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। चूँकि इस क्षेत्र में एक संगठित संरचना नहीं है, इसलिए इन क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों को समाज के जोखिमों जैसे बीमारी, बुढ़ापा, विकलांगता आदि से सुरक्षा नहीं मिलती है।

असंगठित कामगारों की मुख्य श्रेणियाँ-

1. भवन और अन्य निर्माण कार्यों में लगे श्रमिक
2. बाल श्रम
3. अन्तर्राज्यीय श्रमिक
4. बंधुआ मजदूर
5. हाथ से मैला उठाने वाले कर्मी
6. पथ विक्रेता
7. घरेलू कामगार
8. कृषि कार्य में लगे मजदूर
9. पशुपालन कार्य में लगे मजदूर
10. बड़ी-बड़ी फैक्टरियों में लगे मजदूर

असंगठित श्रमिकों के कामगार के नियोजन में मौसमी और अनिश्चित रोजगार, अलग-अलग कार्यस्थल नियोक्ता कर्मचारी संबंध का अभाव, खराब कार्य स्थितियाँ, अनिश्चित और लम्बे कार्य घंटे और कम पारिश्रमिक जैसी अनेक समस्याओं का सामना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को झेलना पड़ता है। असंगठित श्रमिकों को अनपढ़ और अलिखित स्थिति और संगठनात्मक सहायता के अभाव के कारण अत्यधिक सामाजिक असुरक्षा का सामना करना पड़ता है।

(मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न)

निर्देशः प्रश्न संख्या 9 (A) तथा 9 (B) मानचित्र से संबंधित हैं।

9(A).

(i) वह स्थान जहाँ पूर्ण स्वराज की माँग का प्रस्ताव पारित हुआ था।

(ii) वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा।

(iii) वह स्थान जहाँ 1920 में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

(iv) वह स्थान जहाँ महात्मा गाँधी का किसान सत्याग्रह आन्दोलन हुआ।

(v) वह स्थान जहाँ सर्वप्रथम नमक बनाया गया था।

9 (B).

(i) भारत के किसी एक परमाणु ऊर्जा केन्द्र का नाम SSS चिह्न सहित।

(ii) नर्मदा नदी पर बना एक बाँध ═ चिह्न द्वारा नाम सहित।

(iii) सलाल बाँध □ चिह्न द्वारा राज्य के नाम सहित।

(iv) भारत के किसी एक जूट उत्पादक राज्य ▭ चिह्न द्वारा नाम सहित।

(v) राजस्थान का राजधानी नगर ⊙ चिह्न द्वारा नाम सहित।

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिये मानचित्र कार्य के विकल्प के रूप में)

9 (A). निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) लाहौर (पाकिस्तान) **(ii)** दांडी (गुजरात)
(iii) नागपुर (महाराष्ट्र) **(iv)** चम्पारण (बिहार)
(v) दांडी (गुजरात)

9 (B). निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) नरौरा (उत्तर प्रदेश)
(ii) बरगी बाँध (नर्मदा नदी)
(iii) सलाल बाँध (जम्मू कश्मीर)
(iv) पश्चिम बंगाल (जूट उत्पादक राज्य)
(v) जयपुर (राजस्थान)